

प ५
२५

पत्रावली पेशा वकील डॉ. अनूपसिंह।
पत्रावली में प्रतिवादीगणों की तामिले
अदिएर शत्रि० का/० से पेशा करने हेतु
पूर्व में भी सिद्धायत ही जान्चुकी है,
तथा काउ-२ आदेशों के बावजूद भी
आदिनांक तक तामिले पेशा नहीं।

अतः वादी का वाद आदेशों निश्चय
के तहत खारिज किया जा रहा है।
पत्रावली फॉसल शुगर लोक नम्बर
से कम लोक दारिखल दफ्तर है।